यह प्रेस रिलीज आज अर्थात् 31 अगस्त, 2017 सायं 5.30 बजे तक प्रकाशित, प्रसारित अथवा इंटरनेट पर परिचालित नहीं की जाएगी ।

सत्यमेव जयते

प्रेस नोट

2017-18 की प्रथम तिमाही (अप्रैल- जून) के सकल घरेलू उत्पाद अनुमान

केन्द्रीय सांख्यिकी कार्यालय

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय

भारत सरकार

यह प्रेस रिलीज आज अर्थात् 31 अगस्त, 2017 सायं 5.30 बजे तक प्रकाशित, प्रसारित अथवा इंटरनेट पर परिचालित नहीं की जाएगी ।

भारत सरकार
सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय

दिनांक 09 भाद्रपद, 1939 शक
31 अगस्त, 2017

प्रेस नोट

2017-18 की प्रथम तिमाही (अप्रैल-जून) के सकल घरेलू उत्पाद अनुमान

केन्द्रीय सांख्यिकी कार्यालय (सीएसओ), सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने वर्ष 2017-18 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) क्यू 1 के लिए स्थिर (2011-12) मूल्यों तथा वर्तमान मूल्यों, दोनों पर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के अनुमान और साथ ही जीडीपी के व्यय घटकों के तदनुरूपी तिमाही अनुमान जारी किए हैं ।

2. वर्ष 2017-18 की क्यू 1 के लिए जीडीपी के अनुमानों का विवरण नीचे दिया गया है:

I आर्थिक कार्यकलापों के अनुसार जीवीए के अनुमान

(क) स्थिर (2011-12) मूल्यों पर

3. वर्ष 2017-18 की क्यू 1 में स्थिर (2011-12) मूल्यों पर जीडीपी 31.10 लाख करोड़ रुपए रहने का अनुमान है, जबकि वर्ष 2016-17 की क्यू 1 में जीडीपी 29.42 लाख करोड़ रुपए आंकी गई थी जो 5.7 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्शाता है । वर्ष 2017-18 की क्यू 1 हेतु स्थिर (2011-12) मूल्यों पर, बुनियादी मूल्य पर तिमाही जीवीए 29.04 लाख करोड़ रुपए रहने का अनुमान है जबकि 2016-17 की क्यू 1 में यह 27.51 लाख करोड़ रुपए आंकी गई थी, जो पिछले वर्ष की तद्नुरूपी तिमाही की तुलना में 5.6 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्शाता है ।

4. वर्ष 2016-17 की क्यू 1 की तुलना में वर्ष 2017-18 की क्यू 1 में जिन आर्थिक कार्यकलापों में 7 प्रतिशत से अधिक वृद्धि दर्ज की गई है उनमें 'व्यापार, होटल, परिवहन एवं संचार और प्रसारण से संबंधित सेवाएं', 'लोक प्रशासन, रक्षा और अन्य सेवाएं, विद्युत, गैस, जलापूर्ति तथा अन्य उपयोगी सेवाएं' हैं । इस अवधि के दौरान 'कृषि, वानिकी तथा मत्स्य', 'खनन तथा उत्खनन' 'विनिर्माण' 'निर्माण तथा 'वित्तीय, बीमा, रिएल एस्टेट और व्यावसायिक सेवाएं' में क्रमश: 2.3 प्रतिशत, (-)0.7 प्रतिशत, 1.2 प्रतिशत, 2.0 प्रतिशत और 6.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है ।

5. उद्योग विश्लेषण

प्रथम तिमाही अनुमान अप्रैल-जून 2017-18 की अवधि के लिए कृषि मंत्रालय, कृषि और सहकारिता विभाग, बीएसई/एनएसई से सूचीबद्ध कम्पनियों के संक्षिप्त वित्तीय परिणामों, औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी), लेखा महानियंत्रक (सीजीए) द्वारा रखे गए संघ सरकार के मासिक लेखा तथा भारत के नियंत्रण एवं महालेखा परीक्षक द्वारा (सीजीए) रखे गए राज्य सरकार के व्यय संबंधी लेखाओं से प्राप्त वर्ष 2016-17 की रबी मौसम के दौरान कृषि पैदावार पर आधारित हैं। अनुमानों का संकलन करते समय, अप्रैल-जून 2017-18 की अवधि के दौरान रेलवे, सड़क, वायु व जल परिवहन आदि सहित परिवहन; संचार, बैंकिंग और बीमा जैसे प्रमुख क्षेत्रों के निष्पादनों को ध्यान में रखा गया है । बीएसई/एनएसई से प्राप्त आंकड़ों पर आधारित अप्रैल-जून 2017-18 की दौरान कार्पोरेट सेक्टर के निष्पादन को भी ध्यान में रखा गया है । विगत वर्ष की समान तिमाही के कार्पोरेट सेक्टर के अनुमान को शामिल न करने की दृष्टि से कर्मचारियों के व्यय, कर से पूर्व लाभ तथा उचित मूल्य सूचकांकों के अनुसार अपस्फीति वाली सूचीबद्ध कम्पनियों के अवमूल्यन के आधार पर संकलित संकेतक में अनुमानित वृद्धि का प्रयोग किया गया है ।

कृषि, वानिकी और मछली पालन'

5.1 'कृषि, वानिकी और मछली पालन' सेक्टर से वर्ष 2017-18 की क्यू 1 में बुनियादी मूल्यों पर तिमाही सकल मूल्य वर्धन वर्ष 2016-17 की क्यू 1 की 2.5 प्रतिशत की तुलना में 2.3 प्रतिशत तक बढ़ा। कृषि और सहकारिता विभाग द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, जिसे वर्ष 2017-18 की क्यू 1 में कृषि के जीवीए के अनुमानों के संकलनार्थ प्रयोग किया गया है, कृषि वर्ष 2016-17 के (जून 2017 में समाप्त) रबी मौसम के दौरान चावल, गेहूं, मोटे अनाज तथा दालों के उत्पादन में क्रमश: 5.8 प्रतिशत, 6.6 प्रतिशत,10.7 प्रतिशत तथा 25.0 प्रतिशत की वृद्धि दरें दर्ज की गई है । वाणिज्यिक फसलों में, तिलहनों के उत्पादन में वर्ष 2016-17 की रबी मौसम के दौरान 13.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई । 'कृषि, वानिकी और मछली पालन' के क्षेत्र में फलों व सब्जियों सहित फसल का जीडीपी में हिस्सा लगभग 56.9 प्रतिशत है । इस क्षेत्र के जीवीए का लगभग 43.1 प्रतिशत पशुधन उत्पाद, वानिकी और मछली पालन पर आधारित है जिसमें वर्ष 2017-18 की क्यू 1 में लगभग 3.4 प्रतिशत से अधिक की संयुक्त वृद्धि दर्ज की गई है ।

खनन और उत्खनन

5.2 'खनन और उत्खनन' सेक्टर से वर्ष 2017-18 की क्यू 1 के लिए बुनियादी मूल्यों पर तिमाही सकल मूल्य वर्धन वर्ष 2016-17 की क्यू 1 में हुई (-)0.9 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में (-)0.7 प्रतिशत तक रही । 'खनन सेक्टर नामत: कोयला, अपरिष्कृत तेल और प्राकृतिक गैस उत्पादन तथा आईआईपी खनन के मुख्य संकेतकों में वर्ष 2017-18 की क्यू 1 में क्रमश: (-)4.4 प्रतिशत, 0.2 प्रतिशत, 4.0 प्रतिशत तथा 1.2 प्रतिशत की वृद्धि दरें दर्ज की गई हैं जबकि वर्ष 2016-17 की पहली तिमाही में यह क्रमश: 5.3 प्रतिशत, (-)3.3 प्रतिशत, (-)6.0 प्रतिशत तथा 7.5 प्रतिशत रहा है ।

विनिर्माण

5.3 'विनिर्माण' सेक्टर में वर्ष 2017-18 की क्यू 1 में बुनियादी मूल्यों पर तिमाही सकल मूल्य वर्धन वर्ष 2016-17 की क्यू 1 के 10.7 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में 1.2 प्रतिशत की वृद्धि रही । बीएसई तथा एनएसई में सूचीबद्ध कम्पनियों के उपलब्ध आंकड़ों से यथा-अनुमानित निजी कार्पोरेट सेक्टर वृद्धि (जिसका विनिर्माण सेक्टर में लगभग 75 प्रतिशत की हिस्सेदारी है) वर्ष 2016-17 की क्यू 1 में 10.2 प्रतिशत की तुलना में वर्तमान मूल्यों पर वर्ष 2017-18 की क्यू 1 के दौरान (-)0.9 प्रतिशत रही । कॉर्पोरेट जैसे और असंगठित खंड (जिसका विनिर्माण के क्षेत्र में 20 प्रतिशत से अधिक की हिस्सेदारी है) के अनुमान विनिर्माण के आईआईपी का उपयोग करके लगाया गया है । आईआईपी विनिर्माण में वर्ष 2016-17 की क्यू 1 के दौरान 6.7 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2017-18 की क्यू 1 के दौरान 1.8 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की गई ।

विद्युत, गैस, जलापूर्ति और अन्य उपयोगी सेवाएं

5.4 'विद्युत, गैस, जलापूर्ति और अन्य उपयोगी सेवाओं' में वर्ष 2017-18 की क्यू 1 हेतु बुनियादी मूल्यों पर तिमाही जीवीए वर्ष 2016-17 की क्यू 1 की 10.3 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में 7.0 प्रतिशत तक वृद्धि हुई । इस सेक्टर के मुख्य संकेतक नामत: विद्युत की आईआईपी में वर्ष 2016-17 की क्यू 1 में 10.0 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2017-18 की क्यू 1 में 5.3 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की गई ।

निर्माण

5.5 वर्ष 2017-18 में विनिर्माण क्षेत्र में बुनियादी मूल्यों पर तिमाही सकल मूल्य वर्धन, 2016-17 की क्यू 1 के 3.1 प्रतिशत वृद्धि की तुलना में, 2.0 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई । निर्माण क्षेत्र के मुख्य संकेतकों नामत: सीमेंट का उत्पादन तथा तैयार स्टील की खपत तथा गैर-धातु खनिज के आईआईपी में वर्ष 2016-17 की क्यू 1 में क्रमश: 5.8 प्रतिशत, 1.3 प्रतिशत तथा 5.7 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2017-18 की क्यू 1 में क्रमश: (-)2.9 प्रतिशत, 4.6 प्रतिशत तथा (-)3.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई ।

व्यापार, होटल तथा परिवहन एवं संचार तथा प्रसारण से संबंधित सेवाएं

5.6 इस क्षेत्र में बुनियादी मूल्यों पर तिमाही सकल मूल्य वर्धन 2016-17 की क्यू 1 के 8.9 प्रतिशत वृद्धि की तुलना में वर्ष 2017-18 की क्यू 1 में 11.1 प्रतिशत वृद्धि हुई । व्यापार क्षेत्र में जीवीए अनुमान लगाने के लिए प्रयुक्त किए गए प्रमुख संकेतक बिक्री कर में वृद्धि है । सीएजी की वेबसाइट पर उपलब्ध राज्य खातों के मासिक आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2017-18 की क्यू 1 के दौरान बिक्री कर संग्रह में 16.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई । अन्य सेवा क्षेत्रों में, रेलवे के प्रमुख संकेतकों नामत: निवल टन किलोमीटर तथा यात्री किलोमीटर में वर्ष 2017-18 की क्यू 1 में वृद्धि दर क्रमश: 3.3 प्रतिशत तथा 1.5 प्रतिशत की देखी गई । अन्य परिवहन क्षेत्रों के मामले में, वर्ष 2017-18 की क्यू 1 में नागर विमानन द्वारा संचालित यात्री, नागर विमानन द्वारा ढोए गए माल तथा प्रमुख बंदरगाहों पर माल ढुलाई में 15.6 प्रतिशत, 19.2 प्रतिशत और 5.0 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई । वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री में 2016-17 की क्यू 1 में (-)9.1 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई ।

वित्तीय, बीमा, रीयल एस्टेट तथा व्यावसायिक सेवाएं

5.7 इस क्षेत्र में बुनियादी मूल्यों पर तिमाही सकल मूल्य वर्धन 2016-17 की क्यू 1 के 9.4 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में वर्ष 2017-18 के क्यू 1 में 6.4 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई है । इस उद्योग के प्रमुख घटक रिएल एस्टेट और व्यावसायिक सेवाएं हैं, जिसका हिस्सा 73.1 प्रतिशत है । इस क्षेत्र के प्रमुख संकेतक कार्पोरेट क्षेत्र में तिमाही वृद्धि और कम्प्यूटर समर्थित कार्यकलाप जिनके अनुमान वर्तमान मूल्यों पर सूचीबद्ध कंपनियों के उपलब्ध आंकड़ों से लगाए जाते हैं जो वर्ष 2017-18 की क्यू 1 में 6.2 प्रतिशत है । इस क्षेत्र के अन्य संकेतक अर्थात कुल बैंक जमा तथा बैंक ऋणों में क्रमश: जून 2017 में 13.3 प्रतिशत तथा 8.6 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है ।

लोक प्रशासन, रक्षा एवं अन्य सेवाएं

5.8 इस क्षेत्र में बुनियादी मूल्यों पर तिमाही सकल मूल्य वर्धन 2016-17 की क्यू 1 में 8.6 प्रतिशत की तुलना में 2017-18 की क्यू 1 में 9.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई । इस क्षेत्र के मुख्य संकेतक नामत: सब्सिडी छोड़कर ब्याज भुगतान में सरकार के निवल राजस्व व्यय में 2016-17 की क्यू 1 के 20.8 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2017-18 की कयू 1 के दौरान 19.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई ।

(ख) वर्तमान मूल्यों पर

6. सकल घरेलू उत्पाद बुनियादी मूल्यों पर जीवीए उत्पादों पर निवल सब्सिडी के उपरांत कर जोड़कर प्राप्त किए जाते हैं । वर्तमान मूल्यों पर जीडीपी 2016-17 की क्यू 1 के 35.55 लाख करोड़ रुपए की तुलना में वर्ष 2017-18 की क्यू 1 में 38.84 लाख करोड़ रुपए आंकी गई है जो 9.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है । वर्ष 2017-18 की क्यू 1 में वर्तमान मूल्यों पर बुनियादी मूल्यों पर जीवीए 35.77 लाख करोड़ रुपए अनुमानित है जबकि वर्ष 2016-17 की क्यू 1 में यह 33.17 लाख करोड़ रुपए थी जो कि 7.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है । वर्ष 2016-17 की क्यू 1 में केंद्रीय उत्पाद शुल्क, सीमा शुल्क तथा सेवाकर संग्रह में वृद्धि क्रमश: 60.5 प्रतिशत, 17.8 प्रतिशत तथा 28.5 प्रतिशत की तुलना में, वर्ष 2017-18 की क्यू 1 में क्रमश: 7.3 प्रतिशत, 15.0 प्रतिशत तथा 20.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई ।

(ग) अपस्फीती के तौर पर प्रयुक्त मूल्य सूचकांक

7. समूह - खाद्य वस्तुएं, खनिजों, विनिर्मित उत्पादों, विद्युत और अन्य सभी वस्तुओं के संबंध में थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) में वर्ष 2016-17 की क्यू 1 की तुलना में 2017-18 की क्यू 1 के दौरान क्रमश: (-)1.7 प्रतिशत, 5.5 प्रतिशत, 2.6 प्रतिशत, 0.7 प्रतिशत और 2.3 प्रतिशत वृद्धि हुई। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में वर्ष 2016-17 की क्यू 1 की तुलना में वर्ष 2017-18 की क्यू 1 के दौरान 2.2 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई है ।

II सकल घरेलू उत्पाद पर व्यय का अनुमान

8. सकल घरेलू उत्पाद पर व्यय के घटक, नामतः खपत, व्यय तथा पूंजी निर्माण सामान्यत: बाजार मूल्यों पर आंके जाते हैं । अतएव निम्नलिखित पैराग्राफों में प्रस्तुत समुच्चय बाजार मूल्यों के अनुसार हैं।

निजी अंतिम उपभोग व्यय

9. वर्तमान मूल्यों पर निजी अंतिम उपभोग व्यय 2016-17 की क्यू 1 के 20.42 लाख करोड़ रुपए की तुलना में 2017-18 की क्यू 1 में 22.27 लाख करोड़ रुपए अनुमानित है । स्थिर (2011-12) मूल्यों पर, पीएफसीई 2016-17 की क्यू 1 में 15.76 लाख करोड़ रुपए की तुलना में 2017-18 की क्यू 1 में 16.80 लाख करोड़ रुपए अनुमानित है । जीडीपी के रूप में, वर्ष 2017-18 की क्यू 1 के दौरान वर्तमान तथा स्थिर (2011-12) मूल्यों पर पीएफसीई की दर 2016-17 की क्यू 1 में क्रमश: 57.4 प्रतिशत तथा 53.6 प्रतिशत की तुलना में क्रमशः 57.3 प्रतिशत और 54.0 प्रतिशत अनुमानित है ।

सरकारी अंतिम उपभोग व्यय

10. वर्तमान मूल्यों पर 2016-17 की क्यू 1 में सरकारी अंतिम उपभोग व्यय (जीएफसीई) 4.34 करोड़ रुपए की तुलना में 2017-18 की क्यू 1 में 5.19 लाख करोड़ रुपए अनुमानित है । स्थिर (2011-12) मूल्यों पर 2016-17 की क्यू 1 में जीएफसीई 3.34 लाख करोड़ रु. की तुलना में वर्ष 2017-18 की क्यू 1 में यह 3.91 लाख करोड़ रुपए अनुमानित है । जीडीपी के रूप में, वर्तमान तथा स्थिर (2011-12) मूल्यों पर 2016-17 की क्यू 1 के दौरान जीएफसीई की दरें क्रमश: 12.2 प्रतिशत तथा 11.3 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2017-18 की क्यू 1 में यह दरें क्रमश: 13.4 प्रतिशत तथा 12.6 प्रतिशत अनुमानित है ।

सकल नियत पूंजी निर्माण

11. वर्तमान मूल्यों पर 2016-17 की क्यू 1 में सकल नियत पूंजी निर्माण (जीएफसीएफ) 10.37 लाख करोड़ रुपए की तुलना में 2017-18 की क्यू 1 में यह 10.69 लाख करोड़ रुपए अनुमानित है । स्थिर (2011-12) मूल्यों पर 2016-17 की क्यू 1 में जीएफसीएफ 9.13 लाख करोड़ रुपए की तुलना में वर्ष 2017-18 की क्यू 1 में यह 9.28 लाख करोड़ रुपए अनुमानित है । जीडीपी के रूप में, वर्तमान तथा स्थिर (2011-12) मूल्यों पर 2016-17 की क्यू 1 के दौरान जीएफसीएफ की दरें क्रमश: 29.2 प्रतिशत तथा 31.0 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2017-18 की क्यू 1 में यह दरें क्रमश: 27.5 प्रतिशत तथा 29.8 प्रतिशत अनुमानित है ।

12. 2015-16, 2016-17 तथा 2017-18 की क्यू 1 के लिए आर्थिक कार्यकलापों के प्रकार और जीडीपी संबंधी व्यय के अनुसार आधार मूल्यों पर स्थिर (2011-12) मूल्य और वर्तमान मूल्यों के आधार पर जीवीए के अनुमान विवरणी 1 से 4 में दिए गए हैं ।

13. जुलाई-सितम्बर, 2017 (2017-18 की क्यू 2) के तिमाही जीडीपी अनुमान जारी करने की अगली तारीख 30.11.2017 होगी ।

यह प्रेस रिलीज आज अर्थात् 31 अगस्त, 2017 सायं 5.30 बजे तक प्रकाशित, प्रसारित अथवा इंटरनेट पर परिचालित नहीं की जाएगी ।

विवरण 1: आधार मूल्यों पर जीवीए के तिमाही अनुमान क्यू 1 (अप्रैल-जून) 2017-18

(2011-2012 मूल्यों पर)

उद्योग	अप्रैल-जून (क्यू 1)				
	(करोड़ रु.) क्यू 1 के सकल मूल्य वर्धन			पिछले वर्ष की क्यू 1 की तुलना में प्रतिशत बदलाव	
	2015-16	**2016-17**	**2017-18**	**2016-17**	**2017-18**
1. कृषि वानिकी एवं मत्स्ययन	371468	380833	389732	2.5	2.3
2. खनन एवं उत्खनन	87294	86485	85911	-0.9	-0.7
3. निर्माण	458128	507223	513139	10.7	1.2
4. विद्युत, गैस, जलापूर्ति एवं अन्य उपयोगी सेवाएं	55324	61018	65289	10.3	7.0
5. विनिर्माण	222464	229321	233919	3.1	2.0
6. व्यापार, होटल, परिवहन, संचार तथा प्रसारण से संबंधित सेवाएं	474733	516958	574261	8.9	11.1
7. वित्तीय, बीमा, रिएल एस्टेट तथा व्यवसायिक सेवाएं	594754	650607	692522	9.4	6.4
8. लोक प्रशासन, रक्षा तथा अन्य सेवाएं	293784	318963	349356	8.6	9.5
बुनियादी मूल्यों पर जीवीए	**2557949**	**2751407**	**2904128**	**7.6**	**5.6**

विवरण 2: जीडीपी के व्यय संबंधी तिमाही अनुमान क्यू 1 (अप्रैल-जून) 2017-18

(2011-2012 मूल्यों पर)

मद	अप्रैल-जून (क्यू 1)				
	(करोड़ रु.) क्यू 1 के सकल घरेलू उत्पाद के व्यय			जीडीपी की दरें (%)	
	2015-16	**2016-17**	**2017-18**	**2016-17**	**2017-18**
1. निजी अंतिम उपभोग व्यय (पीएफसीई)	1453347	1575613	1680481	53.6	54.0
2. सरकारी अंतिम उपभोग व्यय (जीएफसीई)	286327	333761	391080	11.3	12.6
3. सकल नियत पूंजी निर्माण (जीएफसीएफ)	849973	912768	927506	31.0	29.8
4. स्टॉक में परिवर्तन	67160	73118	73979	2.5	2.4
5. बहुमूल्य वस्तुएं	40244	34687	105716	1.2	3.4
6. निर्यात	583423	594947	602159	20.2	19.4
7. घटाएं: आयात	623959	620649	703827	21.1	22.6
8. विसंगत्तियां	69359	37601	33052	1.3	1.1
जीडीपी	**2725873**	**2941846**	**3110145**	**100.0**	**100.0**
जीडीपी (पिछले वर्ष की तुलना में प्रतिशत बदलाव)		**7.9**	**5.7**		

यह प्रेस रिलीज आज अर्थात् 31 अगस्त, 2017 सायं 5.30 बजे तक प्रकाशित, प्रसारित अथवा इंटरनेट पर परिचालित नहीं की जाएगी ।

विवरण 3: आधार मूल्यों पर जीवीए के तिमाही अनुमान क्यू 1 (अप्रैल-जून) 2017-18

(वर्तमान मूल्यों पर)

उद्योग	अप्रैल-जून (क्यू 1)				
	(करोड़ रु.) क्यू 1 के सकल मूल्य वर्धन			पिछले वर्ष की क्यू 1 की तुलना में प्रतिशत बदलाव	
	2015-16	**2016-17**	**2017-18**	**2016-17**	**2017-18**
1. कृषि वानिकी एवं मत्स्ययन	487463	535817	537540	9.9	0.3
2. खनन एवं उत्खनन	89202	74069	82270	-17.0	11.1
3. निर्माण	510270	561546	583080	10.0	3.8
4. विद्युत, गैस, जलापूर्ति एवं अन्य उपयोगी सेवाएं	80345	84781	91306	5.5	7.7
5. विनिर्माण	257820	263908	275466	2.4	4.4
6. व्यापार, होटल, परिवहन, संचार तथा प्रसारण से संबंधित सेवाएं	554319	599817	686195	8.2	14.4
7. वित्तीय, बीमा, रिएल एस्टेट तथा व्यवसायिक सेवाएं	690702	768015	837108	11.2	9.0
8. लोक प्रशासन, रक्षा तथा अन्य सेवाएं	380690	428746	484492	12.6	13.0
आधार मूल्यों पर जीवीए	**3050811**	**3316698**	**3577457**	**8.7**	**7.9**

विवरण 4: जीडीपी के व्यय संबंधी तिमाही अनुमान क्यू 1 (अप्रैल-जून) 2017-18

(वर्तमान मूल्यों पर)

मद	अप्रैल-जून (क्यू 1)				
	(करोड़ रु.) क्यू 1 के सकल घरेलू उत्पाद के व्यय			जीडीपी की दरें (%)	
	2015-16	**2016-17**	**2017-18**	**2016-17**	**2017-18**
1. निजी अंतिम उपभोग व्यय	1823568	2042054	2226885	57.4	57.3
2. सरकारी अंतिम उपभोग व्यय	357350	433530	519320	12.2	13.4
3. सकल नियत पूंजी निर्माण	978519	1036732	1068642	29.2	27.5
4. स्टॉक में परिवर्तन	74613	81641	83610	2.3	2.2
5. बहुमूल्य वस्तुएं	44737	37948	108658	1.1	2.8
6. निर्यात	671293	687415	708680	19.3	18.2
7. *घटाएं:* आयात	757976	746878	860680	21.0	22.2
8. विसंगत्तियां	28174	-17506	28666	-0.5	0.7
जीडीपी	**3220278**	**3554938**	**3883781**	**100.0**	**100.0**
जीडीपी (पिछले वर्ष की तुलना में प्रतिशत बदलाव)		**10.4**	**9.3**		